www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 294 | जौनपुर सोमवार, 15 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कृषि जैव विविधता संरक्षण को नई मजबूती, डॉ. पी.एल. गौतम बने विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने कृषि जैव विविधता के संरक्षण, सतत उपयोग तथा पहुंच एवं लाभ–साझाकरण (एबीएस) से जुड़े मामलों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए जैविक विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 13(1) के तहत कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति का एक वर्ष के लिए पुनर्गठन किया है। समिति के पुनर्गठन के साथ प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डॉ. पी.एल. गौतम को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. गौतम राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण और पादप किस्मों के संरक्षण एवं किसान अधिकार प्राधिकरण (पीपीवीएफ आरए) के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें हाल ही में पद्म श्री सम्मान से नवाजा गया है। पीपीवीएफआरए के अध्यक्ष समिति के सह–अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। कृषि जैव विविधता विशेषज्ञ समिति वर्ष 2005 से एनबीए की एक महत्वपूर्ण सलाहकार संस्था रही है। कृषि आनुवंशिक संसाधनों से जुड़े उभरते मुद्दों के समाधान के लिए समय–समय पर इसका पुनर्गठन किया जाता रहा है। वर्षों के दौरान इस समिति का नेतृत्व देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किया है।

डीआरडीओ की बड़ी सफलता, तीन फ्लाइट टेस्ट के जरिए दिखाई उन्नत रक्षा क्षमता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करते हुए कई महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों का सफल प्रदर्शन किया है। संगठन ने 10 और 11 जून 2026 को लगातार तीन फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न किए, जिनका उद्देश्य लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ मल्टी–लेयर्ड रक्षा क्षमता और मध्यम दूरी की एंटी–शिप क्षमता का प्रदर्शन करना था। डीआरडीओ ने मल्टी–लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) क्षमता का सफल प्रदर्शन किया, जिसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता के साथ भेद दिया। इन प्रणालियों को मिसाइल से जुड़े नए और उभरते खतरों का सामना करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ डिजाइन और विकसित किया गया है। इन सफल परीक्षणों के साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसी बीएम) तक को रोकने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली मौजूद है। यह उपलब्धि देश की रणनीतिक रक्षा क्षमता को नई मजबूती प्रदान करती है। परीक्षणों के दौरान नौसेना की मध्यम दूरी की एंटी–शिप मिसाइल (एनएएसएम– एमआर) का पहला फ्लाइट टेस्ट भी सफलतापूर्वक किया गया।

युवा शक्ति देश के विकास की सबसे बड़ी ताकत, स्टार्टअप और नवाचार को मिला बढ़ावा - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि केंद्र सरकार युवा नेतृत्व वाले विकास की दिशा में मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों की एक प्रमुख विशेषता यह रही है कि भारत के युवाओं ने आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में युवा शक्ति के उल्लेखनीय योगदान और वैश्विक पटल पर उनके बढ़ते प्रभाव पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन जैसी पहलों के माध्यम से एक ऐसा प्रक्रियागत तंत्र विकसित हुआ है, जो नवाचार, उद्यमिता और उद्यम को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप केंद्रों में शामिल है और इन सफलता की कहानियों में से अनेक छोटे शहरों और गांवों से उभर रही हैं, जिन्हें देश की युवा शक्ति आगे बढ़ा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर तथा ड्रोन जैसे क्षेत्रों में अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं, जो राष्ट्र और दुनिया के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी भारत का नाम रोशन किया है। भारतीय युवा खिलाड़ियों ने अनेक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर लगातार राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मजबूत खेल व्यवस्था, बेहतर बुनियादी ढांचा और खिलाड़ियों को मिल रहा अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है। नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि राजग सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में युवाओं ने आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार किया है।

अमित शाह का तमिलनाडु भाजपा को मंत्र, विधानसभा चुनाव के नतीजों पर किया मंथन

चेन्नई, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु भाजपा के नेताओं के साथ एक बड़ी बैठक की है। इस बैठक में उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत करने और जमीन पर काम बढ़ाने को लेकर लंबी चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने तमिलनाडु में आने वाली राजनीतिक चुनौतियों के लिए अभी से तैयारियां तेज करने का निर्देश दिया है। दिल्ली में हुई भाजपा कोर कमेटी की इस बैठक की अध्यक्षता खुद अमित शाह ने की। बैठक में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद पैदा हुए राजनीतिक हालातों और पार्टी के प्रदर्शन पर विस्तार से बातचीत हुई। बैठक में शामिल एक सूत्र के मुताबिक, अमित शाह ने राज्य के नेताओं का हौसला बढ़ाया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तमिलनाडु में भाजपा का जो मुख्य वोट बैंक है, वह कहीं नहीं गया है और पार्टी के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है। गृह मंत्री ने तमिलनाडु भाजपा इकाई को एक नया मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि हालिया चुनावी नतीजों को एक झटके या हार के रूप में बिल्कुल न देखें। इसके बजाय इन नतीजों को भविष्य की कामयाबी के लिए एक मजबूत सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करें। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्य में संगठन को और मजबूत करने के लिए एक पूरा रोडमैप भी नेताओं के साथ साझा किया है। तमिलनाडु चुनाव में भाजपा ने अन्नाद्रमुक , पीएमके और एएमएमके जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा को कुल 2.97 फीसदी वोट मिले और वह सिर्फ एक सीट जीतने में कामयाब रही। इस कमजोर प्रदर्शन के बाद भी पार्टी का हौसला बुलंद है। बैठक में शामिल राष्ट्रीय सह–प्रभारी डॉ पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने कहा कि हम नई ऊर्जा के साथ तमिलनाडु की जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश जवानों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दुखद एएन–32 विमान दुर्घटना में भारतीय वायु सेना के पांच कर्मियों की मौत पर गहरा दुख जताया और कहा कि दुख की इस घड़ी में देश पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। सिंह ने कहा कि असम के जोरहाट में एएन–32–32 दुर्घटना में पांच वायु सैनिकों की मौत से गहरा दुख हुआ है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है। इससे पहले दिन में भारतीय वायु सेना का एक एएन–32 ट्रांसपोर्ट विमान असम के जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एएन–32 एक ट्विन–इंजन वाला मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान है, जिसका इस्तेमाल भारतीय वायु सेना ने ऊंचे पहाड़ी इलाकों और दूर–दराज के क्षेत्रों सहित कई तरह के इलाकों में लॉजिस्टिक्स, कार्गो ट्रांसपोर्टेशन और ऑपरेशनल सपोर्ट मिशन के लिए बड़े पैमाने पर किया है।

आईएमए की पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल, एनडीए की पहली महिला बैच बनी सेना अधिकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। यह अवसर भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुई हैं। आईएमए की पासिंग आउट परेड में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इससे पहले एनडीए में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं के लिए एनडीए के द्वार खुले थे। इस निर्णय ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की और आज उसका ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिला। इस वर्ष आईएमए से कुल 515 कैडेट पासआउट हुए, जिनमें 16 देशों के 34 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं। पासआउट होने वाले कैडेट्स में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 कैडेट भी शामिल रहीं, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा। भारतीय वायुसेना अकादमी में आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के 217वें कोर्स के तहत 231 फ्लाइट कैडेट्स ने प्री–कमीशनिंग प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 194 पुरुष और 37 महिला कैडेट शामिल थीं। इन 37 महिला कैडेट्स में से 5 एनडीए की पहली महिला बैच की थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति मुर्मु ने आईएमए की परेड की समीक्षा की, जबकि राजनाथ सिंह डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित समारोह में उपस्थित रहे।

डबल इंजन से विकास को मिलेगी नई गति : शुभेंदु

कोलकाता, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने और पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के एक माह पूरा होने के अवसर पर शुक्रवार को न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा पेश किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनकल्याण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं तथा देश को विकास की नई दिशा दी है। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर की। इसके बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने प्रधानमंत्री को "देश का प्रधान सेवक" बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना अधिकांश जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित किया है और गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण तथा भारत की सांस्कृतिक विरासत को विकास के साथ जोड़ने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश में आधारभूत ढांचे के विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेलवे के आधुनिकीकरण, नए हवाई अड्डों, आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना के साथ–साथ मेडिकल कॉलेजों के निर्माण ने भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने दावा किया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत 14 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत करीब पांच करोड़ परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए और इनमें बड़ी संख्या में मकानों का स्वामित्व महिलाओं को दिया गया। इसके अलावा 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, जल जीवन मिशन के माध्यम से घर–घर पेयजल और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं ने गरीबों और किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। शुभेंदु ने कहा कि कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और देश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी पहलों से किसानों को लाभ मिला है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को जन्मदिन पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का शनिवार को 62वां जन्मदिन है। उनका जन्म 13 जून 1964 को हुआ था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिल रही है और देश समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में पीयूष गोयल की कड़ी मेहनत और समर्पण ने प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त और समृद्ध भारत के विजन को आगे बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभाई है। उन्होंने उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पीयूष गोयल को केंद्रीय मंत्रिमंडल का सहयोगी बताते हुए जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीयूष गोयल को लोकप्रिय राजनेता और भाजपा परिवार का वरिष्ठ सदस्य बताते हुए जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने भगवान सिद्धिविनायक से उनके आरोग्य और सुदीर्घ जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने संदेश में पीयूष गोयल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके लिए आरोग्यता, यश और दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की।

रेलवे ने फास्टर टेक्नोलॉ जी ड्रिवन प्रक्रिया के तहत की उम्मीदवारों की भर्ती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025–26 में छह प्रमुख श्रेणियों में 47,084 रिक्तियों को भरते हुए 43,781 उम्मीदवारों की भर्ती की है, जो भर्ती प्रक्रिया में जारी तेजी को दर्शाती है। भारतीय राजनीति समाचार ये भर्तियां सहायक लोको पायलटों के 18,799 रिक्त पदों, तकनीशियनों के 14,298 रिक्त पदों, सब–इंस्पेक्टरों के 452 रिक्त पदों, कांस्टेबलों के 4,208 रिक्त पदों, जूनियर इंजीनियर (जेई)धडिपो सामग्री अधीक्षकध्रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक के 7,951 रिक्त पदों और पैरामेडिकल श्रेणियों के 1,376 रिक्त पदों को भरने के लिए की गईं।ये आंकड़े शुक्रवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की चयन प्रक्रिया पर आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रस्तुत किए गए। केंद्रीय मंत्री ने प्रौद्योगिकी के उपयोग, त्वरित प्रक्रियाओं और अधिक जवाबदेही के माध्यम से भर्ती प्रणाली में निरंतर सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। बयान में कहा गया कि भारतीय रेलवे निरंतर और समयबद्ध भर्ती पहलों के माध्यम से अपने कार्यबल को मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विशेष ध्यान देते हुए संगठन का लक्ष्य विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभाशाली व्यक्तियों को आकर्षित करना और उन्हें सेवा में शामिल करना है।केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि वार्षिक भर्ती कैलेंडर, रिक्तियों की त्रैमासिक अधिसूचनाओं के साथ, उम्मीदवारों द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है।

नीट मामले के खिलाफ राहुल गांधी का राष्ट्रव्यापी शंखनाद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा सहित देश की कई बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के मामलों को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी युवाओं और छात्रों के हक में एक बड़ा राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। कांग्रेस देश भर में श्छात्र सम्मेलनोंश के माध्यम से युवाओं से सीधा संवाद करेगी, जिसकी शुरुआत 17 जून को देश के सबसे बड़े कोचिंग हब राजस्थान के कोटा से होने जा रही है। इसके बाद प्रयागराज, पटना और दिल्ली में भी वह इस तरह के सम्मेलनों के माध्यम से छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इन छात्र सम्मेलनों के माध्यम से नीट के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क खत्म करने, पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जाएगी। कांग्रेस ने आठ जून को अपने महासचिवों, प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक में फैसला किया था कि नीट मामले, चुनावों से पहले सीट चोरी किए जाने, बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जाएगा। वेणुगोपाल ने शनिवार को एक बयान का कहा, मल्लिकार्जुन खरगे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के सशक्त नेतृत्व में कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, बेरोजगारी और मोदी सरकार द्वारा भारत के युवाओं के साथ किए जा रहे सुनियोजित विश्वासघात के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी अभियान के पहले चरण की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के बड़े सम्मेलन करेंगे, जिसकी शुरुआत 17 जून को राजस्थान के कोटा से होगी और फिर 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में भी सम्मेलन आयोजित होंगे। उनके मुताबिक इन सम्मेलनों में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित, सभी लोग शामिल होंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को सामने लाया जाएगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार–बार खतरे में पड़ रहा है।

संपादकीय

कीमत चुकानी पड़ रही

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो। दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय श्मेमफ्लेशनञ्च की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों– खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट–पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी। तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू–राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

मध्य वर्ग का सफर- नीतियों से मिलती प्रगति

भारत का सामाजिक–आर्थिक चेहरा बदल रहा है। इस बदलाव के केंद्र में आगे बढ़ता और आत्मविश्वास से लबरेज मध्य वर्ग है। इस तबके को एक समय में सतर्क खर्च और सीमित विकल्पों के लिए जाना जाता था। लेकिन आज मध्य वर्ग के परिवार ज्यादा सुरक्षा, अवसर और आकांक्षा की अनुभूति कर रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में कराधान, स्वास्थ्यसेवा, आवासन, डिजिटल सेवाओं, अवसंरचना, शिक्षा और उद्यमिता में सुधारों से रोजमर्रा का जीवन ज्यादा किफायती और सुविधाजनक हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, सेवाओं तक आसान पहुंच, किफायती आवास, सामाजिक सुरक्षा में वृद्धि और डिजिटल सशक्तीकरण से सुख–साधनों और आत्मविश्वास में इजाफा हुआ है। आय में वृद्धि और अवसरों के विस्तार के साथ भारत का मध्य वर्ग अब खुद को सिर्फ बदलाव के अनुरूप ढाल ही नहीं रहा बल्कि राष्ट्र के विकास, महत्वाकांक्षा और भविष्य की संपन्नता में सक्रिय योगदान कर रहा है। एक समय भारत के मध्य वर्ग को उसके सतर्क खर्चों, सीमित विकल्पों और छोटी महत्वाकांक्षाओं से पहचाना जाता था। आज यह वास्तविकता बदल चुकी है। बढ़ती आय, डिजिटल पहुंच और फैलते अवसरों के साथ ही आकांक्षाएं उपलब्धियों में बदल रही हैं। भारतीय समाज का यह तबका सरकार के समर्थन से लगातार सशक्त हो रहा है। वर्ष 2014 से आयकर छूट सीमाओं में रिकॉर्ड वृद्धि से लेकर जीएसटी सुधारों तक से उसकी बचत और खर्च करने योग्य आय बढ़ी है। अब यह मध्य वर्ग ज्यादा आत्मविश्वास के साथ सशक्त होकर भारत की विकास गाथा के केंद्र में खड़ा है। मध्य वर्ग की परिभाषा क्रय शक्ति, शिक्षा के स्तर, सामाजिक सेवाओं और धन की अवधारणा के हिसाब से विभिन्न देशों के लिए अलग–अलग है। इस संबंध में विश्व बैंक के पैमाने को व्यापक तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। विश्व बैंक प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) के आधार पर हर वर्ष अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण करता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए देशों की आय का वर्गीकरण इस प्रकार है– 2010 में विश्व में मध्य वर्ग की आबादी का ज्यादातर हिस्सा आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की अर्थव्यवस्थाओं में रहता था मगर इसमें तेजी से बदलाव आया है। वर्ष 2009 और 2017 के बीच मध्य वर्ग की आबादी 1.8 अरब से बढ़ कर 3.5 अरब हो गई है। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा मुख्यतरू भारत और चीन समेत एशिया में है। वर्ष 2011 और 2019 के बीच भारत के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 53 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस दौरान (1995 और 2021 के बीच) भारत के मध्य वर्ग का प्रति वर्ष 6.3 प्रतिशत की दर से विस्तार हुआ। वर्तमान में देश में मध्य वर्ग कुल आबादी का लगभग 31 प्रतिशत है। इस रुझान के बढ़ते जाने की उम्मीद है। ओईसीडी के अनुमानों के अनुसार 2030 और 2035 के बीच मध्य वर्ग की आबादी के लिहाज से चीन को भारत पीछे छोड़ देगा। यह स्थिति करोड़ों भारतीयों की बढ़ती आय, विस्तृत होते आर्थिक अवसरों और जीवन स्तर में सुधार को प्रतिबिंबित करती है। यह मजबूत उपभोक्ता मांग, खर्च करने की बढ़ती शक्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते रसूख का संकेत भी है। यह बढ़ता मध्य वर्ग वैश्विक मांग को नया आकार दे रहा है। यह शहरीकरण और उदीयमान शहरों के उभार से नजदीक से जुड़ा है जो वैश्विक जीडीपी विकास को संचालित करते हैं। स्वस्थ अर्थव्यवस्था और सामंजस्यपूर्ण समाज के लिए मजबूत मध्य वर्ग महत्वपूर्ण है। यह उपभोग को बढ़ाने के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और आवासन में निवेश करता है। यह टैक्स में योगदान और बेहतर सेवाओं की मांग के जरिए सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करता है। मध्य वर्ग शिक्षा को प्राथमिकता देकर मानव पूंजी का निर्माण करने के साथ ही दीर्घकालिक उत्पादकता और आय में वृद्धि में मददगार है। यह उद्यमिता, नवोन्मेष और छोटे व्यवसायों के विकास को भी प्रेरित करता है। इस सिलसिले में, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने भारत के मध्य वर्ग के उपभोग के स्वरूप में बदलाव की ओर संकेत किया है। शहरी उपभोक्ता विकास का 93 प्रतिशत हिस्सा चोटी के पांच शहरों (नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बेंगलूरू और चेन्नई) के बाहर होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप लगभग 500 श्उपभोक्ता शहरोंद्य के उभरने की संभावना है जो बढ़ती आय और मध्य वर्ग के विस्तार में रूपांतरित होगी। डब्ल्यूईएफ की राय में 2036 तक भारत के कुल व्यय का 93 प्रतिशत हिस्सा मध्य वर्ग (और संपन्न उपभोक्ता) करेगा। वर्ष 2026 में यह हिस्सा 80 प्रतिशत है। इसके अलावा 2035 तक विभिन्न प्रमुख पीढ़ियों (बेबी बूमर्स, जेन एक्स, मिलेनियल और जेन जेड) का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रोजाना 45 डॉलर या इससे ज्यादा खर्च करेगा। यह व्यवसायों के लिए उत्पादों और सेवाओं के विकास तथा विभिन्न उम्र वर्गों को प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार

ललित

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन–पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन–इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग–अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है। न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं? इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन–पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता–पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है।

राम मंदिर के चंदे में घपले की कहानी, सच में चढ़ावे से चंपत हो गए 7 करोड़ रुपए

अभिनय

भाजपा के ही नेता और पार्टी प्रवक्ता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। अब इन दावों को लेकर प्रधानमंत्री कार्यलय यानी पीएमओ ने भी संज्ञान लिया है। वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर सबकुछ ठीक है तो पूरे मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जबकि राम मंदिर ट्रस्ट इन सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बता रहा है। राम जन्मभूमि भारतीय इतिहास का सबसे पुराना और जटिल मुद्दा है, जिसको लेकर आज भी लोग बात करते हैं तो सेंसेटिव हो जाते हैं। इस एक विवाद की वजह से सिर्फ अयोध्या में ही नहीं बल्कि पूरे भारत में दंगे हुए और इसमें हजरों लोगों की जान गई। ये एक ऐसा केस था, जहां पर भगवान राम खुद अपना केस लड़ते हैं। सुप्रीम कोर्ट के अंदर बकायदा उनकी फाइल बनती है। करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र अयोध्या का राम मंदिर जिसके निर्माण के लिए कई सालों तक कानूनी लड़ाई लड़ी गई। भक्तों की आस, कार्तिक के मास में रामलला का वनवास खत्म हो जाता है। रामलला के नाम जमीन के हक पर सुप्रीम हस्ताक्षर के साथ ही बड़े धूम धाम के साथ इसकी आधारशीला रखी गई और फिर मंदिर बनकर तैयार हो गया। जिसके उद्घाटन को पूरे देश ने एक ऐतिहासिक पल की तरह देखा। लेकिन अब इसी राम मंदिर को लेकर एक ऐसा विवाद सामने आया है जिसने राजनीति से लेकर आम श्रद्धालुओं तक हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। दावा किया जा रहा है कि मंदिर में आने वाले चढ़ाने और दान के हिसाब–किताब में घड़बड़ी हुई है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि राम मंदिर में आए चढ़ावे में पांच करोड़ से लेकर 7 करोड़ तक की कथित चोरी हुई है। भाजपा के ही नेता और पार्टी प्रवक्ता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मामले की सीबीआई या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। अब इन दावों को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ ने भी संज्ञान लिया है। वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं। उनका कहना है कि अगर सबकुछ ठीक है तो पूरे मामले की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जबकि राम मंदिर ट्रस्ट इन सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बता रहा है। तो आखिर क्या है पूरा मामला? क्या वाकई राम मंदिर के चढ़ावे में कोई घोटाला हुआ है? पीएमओ तक पहुंचे इस पूरे विवाद की शुरुआत आखिर हुई कैसे? आज का एमआरआई हम इस पूरे मामले की टाइमलाइन, आरोपों, ट्रस्ट के जवाब और अब तक सामने आए तथ्यों को विस्तार से करेंगे। मामले की शुरुआत 7 जून को हुई। तब पूर्व मंत्री और सपा नेता पवन पांडेय ने चढ़ावे में 5–7 करोड़ की चोरी का दावा किया। इसके बाद अखिलेश ने भी मुद्दे को उठाया और सरकार व ट्रस्ट की चुप्पी को संदिग्ध बताया। नौ जून को भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने पीएम को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। इस बीच, मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र भी आयोध्या पहुंचे लेकिन उन्होंने इस पर कोई बात नहीं की। मंदिर के पूर्व अकाउंट इंचार्ज महिपाल सिंह ने दावा किया कि लंबे समय से गड़बड़ी हो रही थी। उन्होंने शीर्ष प्रबंधन से इसकी शिकायत की। कार्रवाई के बजाय उन्हें पद से हटा दिया गया। दरअसल खुद को पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने मीडिया से बातचीत में एक दावा किया है। आरोप लगाया है कि जब वह मंदिर में तैनात थे तब चढ़ावे में आने वाले सोने चांदी के जेवर और बर्तनों का कहीं कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता था। यह कहां जमा होते थे इसकी जानकारी सिर्फ चंपत राय और टिन्नू को होती थी। टिन्नू चंपत राय के नजदीकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टिन्नू उर्फ रामशंकर यादव पहले चंपत राय के ड्राइवर अब उनके सहयोगी हैं। महिपाल ने बताया कि श्री राम जन्मभूमि के लिए जब फंड कलेक्शन का काम शुरू हुआ तब मैंने काम संभाला। मेरा काम देखकर ही मुझे अयोध्या बुलाया गया। मैं अयोध्या गया तो 21,000 ऐसी रसीदें जारी होनी थी जो 7 आठ महीने से जारी नहीं हो पा रही थी। इस मामले ने राजनीतिक रंग पकड़ा समाजवादी पार्टी के दावे के बाद। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडे ने दावा किया कि राम मंदिर से 5 से 7.5 करोड़ तक की चोरी की गई है। ऐसा उन्होंने आरोप लगाया। सपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी कहा कि इस मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्धा है और मंदिर ट्रस्ट की तरफ से भी कोई सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता। मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने इस पर सफाई दी। कहा कि समय–समय पर ऑडिट होता रहता है। आजकल यही काम चल भी रहा है। अब तक दान के पैसों में हेराफेरी की कोई बात सामने नहीं आई है। चंपत राय की सफाई के बाद अखिलेश यादव ने सरकार से 11 सवाल पूछे। पूछा कि सीसीटीवी का सबूत सार्वजनिक करके मामले की सच्चाई बताने में आखिर परेशानी क्या है? मामला बढ़ा तो भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। 10 जून को पीएमओ ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की जांच रिपोर्ट भी मांग ली। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, राम मंदिर में शिला पूजन के समय से चोरी जारी है। निर्माण शुरू हुआ तो दो–दो मिनट में प्लॉट की कीमतें करोड़ों बढ़ गई। वहां चंपत राय बैठे हैं... श्चंपतश का मतलब ही होता है श्लेकर भाग जाना। आपको समझ जाना चाहिए। राम मंदिर ट्रस्ट पर लगे आरोपों को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि यह ट्रस्ट बना कैसे था। दरअसल नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले पर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। इसके बाद केंद्र सरकार को राम मंदिर के निर्माण और उसके प्रबंधन के लिए एक ट्रस्ट बनाने का निर्देश दिया गया। इसी के बाद 5 फरवरी 2020 को केंद्र सरकार ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन की घोषणा की। यही ट्रस्ट आज राम मंदिर के निर्माण, उसके रखरखाव, मंदिर में आने वाले दान और पूरे राम जन्मभूमि परिसर के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहा है। ट्रस्ट बनने के कुछ दिनों बाद इसकी पहली बैठक हुई। इसमें महंत नृत्य गोपाल दास को ट्रस्ट का अध्यक्ष चुना गया। जबकि चंपत राय को महासचिव बनाया गया। इसके बाद राम मंदिर निर्माण का काम तेजी से आगे बढ़ने लगा। देश भर के लोगों ने खुलकर दान दिया। किसी ने ध100 दिए, किसी ने हजारों और लाखों रुपए दिए। बड़े उद्योगपति से लेकर आम श्रद्धालुओं तक लाखों लोगों ने मंदिर निर्माण में योगदान दिया। फिर 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके बाद अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 204–25 में ट्रस्ट को कुल 327 करोड़ मिले। यह डाटा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्टकी सालाना रिपोर्ट में बताया गया है। 327 करोड़ में से 153 करोड़ श्रद्धालुओं के दान से आए। जबकि लगभग ध173 करोड़ बैंक में जमा रकम और निवेश पर मिले ब्याज के थे। सिर्फ दान की बात करें तो मंदिर में रोजाना औसतन करीब 42 लाख का चढ़ावा आता है। यानी हर घंटे लगभग 175000 और हर मिनट करीब 2900 से भी ज्यादा और जब त्यौहार हो या कोई खास मौका हो, बड़ा मौका हो तो यह आंकड़ा और भी बढ़ जाता है।

पीएम स्वनिधि योजना पथ विक्रेताओं के सशक्ति करण और वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

मनोहर लाल

भारत में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। वर्तमान में शहरी कार्यबल का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। इस अनौपचारिक क्षेत्र में पथ विक्रेताओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। फल, सब्जियाँ, चाय, नाश्ता, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने वाले ये लाखों विक्रेता न केवल करोड़ों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाते हैं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करते हैं। इसके बावजूद, लंबे समय तक उनकी औपचारिक बैंकिंग और ऋण तक पहुँच सीमित रही। क्रेडिट हिस्ट्री के अभाव में उन्हें अक्सर ऊँची ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण लेना पड़ता था, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता था। भारतीय पथ विक्रेता बदलती वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच भी अपनी दृढ़ता और संघर्षशीलता के लिए जाने जाते हैं। पीएम स्वनिधि ने उनकी इस उद्यमशीलता को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है। योजना की सफलता का प्रमुख आधार सरकार का समग्र दृष्टिकोण रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर अभूतपूर्व रूप से पहुँचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये। इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ। इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक और उद्यमी के रूप में उभरे हैं। इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है। यूपीआई और क्यूआर–कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन–देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है। योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही। श्स्वनिधि से समृद्धिञ्च पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं। पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है। इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना का योगदान उल्लेखनीय रहा है। कुल लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं। इससे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है। वर्ष 2023 और 2025 में की गयी इंडिपेंडेंट इम्पैक्ट अस्सेस्मेंट्स ने भी योजना के दूरगामी प्रभावों की पुष्टि की है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने अपने जीवन में पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से ऋण प्राप्त किया, जो वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इतना ही नहीं, बल्कि, लगभग 30 प्रतिशत लाभार्थी पीएम स्वनिधि से आगे बढ़कर अन्य औपचारिक वित्तीय संस्थानों से भी ऋण प्राप्त करने में सफल हुए, जो उनके बढ़ते वित्तीय विश्वास और सुदृढ़ क्रेडिट प्रोफाइल का प्रमाण है। योजना के लाभार्थियों की आय में औसतन लगभग 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही आवास, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सुधार देखा गया है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच यूपीआई आधारित लेन–देन का उपयोग लगभग 45 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत तक पहुँच गया है। योजना के व्यापक और सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अगस्त 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके पुनर्गठित स्वरूप को मार्च 2030 तक विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की। पुनर्गठित योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं के ऋण की सीमा में वृद्धि की गई है तथा योजना का दायरा शहरी स्थानीय निकायों से आगे बढ़ाकर जनगणना नगरध शहरी–सीमावर्ती क्षेत्र तक विस्तारित किया गया है। इसके साथ ही, क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि पथ विक्रेता बदलती आर्थिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने उद्यमों को और अधिक सशक्त बना सकें। इसी क्रम में स्वनिधि क्रेडिट कार्ड की शुरुआत भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा पथ विक्रेताओं को उनकी तत्काल वित्तीय और व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अल्पकालिक ब्याज–मुक्त ऋण उपलब्ध कराती है। यद्यपि, पीएम स्वनिधि योजना ने सड़क विक्रेताओं को वित्तीय सशक्तिकरण प्रदान की है, फिर भी आज, कई जगह उन्हें शहर की नियोजन संरचना का हिस्सा नहीं माना जाता है। उन्हें सुनियोजित वेंडिंग स्थानों के अभाव जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। निश्चित स्थान न होने से उनकी आजीविका और ग्राहकों तक पहुँच प्रभावित होती है। इस चुनौती के समाधान हेतु आने वाले वर्षों में, राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों के द्वारा पथ विक्रेताओं को शहरी नियोजन ढाँचे का अभिन्न हिस्सा बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में एक छोटी सी पहल – स्ट्रीट फूड हब के माध्यम से उन्हें सुगम एवं व्यवस्थित व्यापारिक स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे न केवल उनकी आजीविका अधिक सुदृढ़ होगी, बल्कि शहरों की स्वच्छता, सुव्यवस्था और समग्र शहरी वातावरण को भी बढ़ावा मिलेगा। यह योजना आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती है। पीएम स्वनिधि की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समावेशी विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँच रहा है। पीएम स्वनिधि योजना ने पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह योजना लाखों विक्रेताओं की आजीविका को सशक्त बनाते हुए नई परिवर्तनकारी कहानियाँ रचेगी तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अयोध्या मंदिर मामले में गड़बड़ी मिली तो होगी कड़ी कार्रवाई, राहुल गांधी के आरोप निराधार – ए.के. शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को बीजेपी पार्टी कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री एवं जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने अयोध्या मंदिर में कथित घोटाले और विपक्ष के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भगवान राम में गहरी आस्था है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता की भी भगवान राम के प्रति अटूट श्रद्धा है। मंत्री ने कहा कि यदि भगवान का प्रसाद भी जमीन पर गिर जाए तो लोग उसे श्रद्धापूर्वक उठाकर ग्रहण करते हैं। ऐसी आस्था वाले देश और प्रदेश में भगवान राम से जुड़े किसी भी मामले को सरकार गंभीरता से लेती है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है और यदि जांच में कहीं भी अनियमितता या गड़बड़ी पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए बयान कंप्रोमाइज प्रधानमंत्री पर प्रतिक्रिया देते हुए ए. के. शर्मा ने कहा कि देश ने देखा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ किस प्रकार सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसी निर्णायक कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को कड़ा संदेश दिया गया तथा देश की सुरक्षा को मजबूत किया गया। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं थीं। कहीं नक्सलवाद तो कहीं आतंकवाद गंभीर चुनौती बना हुआ था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और देश में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को वर्तमान नेतृत्व पर सवाल उठाने का कोई औचित्य नहीं है तथा उनके आरोपों का जवाब केंद्र सरकार के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पहले ही दिया जा चुका है।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जिले में योग के प्रति लोगों का उत्साह लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। जगह–जगह योग शिविर आयोजित कर लोगों को योग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर के उर्दू बाजार स्थित रामलीला मैदान में ऋषि योग संस्थान द्वारा छह दिवसीय निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ सोमवार को किया गया। शिविर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के खेलकूद एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्रत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान की ओर से राज्य मंत्री का बुके भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके बाद योग प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों ने मंत्री के समक्ष विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ एवं फिट रहता है, मन और मस्तिष्क मजबूत होता है तथा अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में वैश्विक मान्यता मिली, जो देशवासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने सभी लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा योग दिवस को भव्य रूप से मनाने का आह्वान किया। उन्होंने ऋषि योग संस्थान द्वारा समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित निशुल्क प्रशिक्षण शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित का सराहनीय प्रयास बताया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की डायरेक्टर एवं योग प्रशिक्षिका रजनी साहू ने राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही भाजपा जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. रामसूरत मौर्य, मीरा वेलफेयर सोसायटी के सचिव रामजी साहू, योग फेडरेशन के कोषाध्यक्ष रचित साहू तथा जगदीश गुप्ता गाढ़ा को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से संदीप गुप्ता, अजय गुप्ता, अतुल सिंह, सहकार भारती के अध्यक्ष प्रदीप सिंह, दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, मोहन गुप्ता, प्रीति गुप्ता, डॉली गुप्ता, रश्मि गुप्ता, दीपक गुप्ता, नीतू गुप्ता, प्रियांशी, शुभम, कृष्णा, दिनेश, रतनेश, ऋषि, आरती, रजनी सिंह, नीलम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

7 अगस्त को निकलेगी बोल बम कांवरिया संघ की भव्य शोभायात्रा, सुल्तानगंज से लाया जाएगा पवित्र जल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बोल बम कांवरिया संघ, जौनपुर की ओर से श्रावण मास की तैयारियों को लेकर एक आवश्यक बैठक शंभूगंज स्थित शिव मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों, संरक्षक मंडल एवं सदस्यों ने आगामी कांवड़ यात्रा और भव्य शोभायात्रा के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि प्रत्येक

वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास में भव्य शोभायात्रा एवं कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 7 अगस्त (शुक्रवार) को प्रातःकाल हनुमान घाट स्थित चौरा माता मंदिर से भगवान शिव की आकर्षक झांकी एवं घोड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा सद्भावना पुल, कजगांव पड़ाव, ओलंदगंज, शाही पुल, कोतवाली चौराहा, सब्जी मंडी, सुत्तहट्टी बाजार, अहियापुर एवं भंडारी रेलवे स्टेशन होते हुए आगे बढ़ेगी। इसके बाद श्रद्धालु ट्रेन द्वारा सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे, जहां से पवित्र गंगाजल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचेंगे और भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। बैठक में आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर भी चर्चा हुई। यह निर्णय संघ के संरक्षक मंडल, पदाधिकारियों, सम्मानित सदस्यों तथा अध्यक्ष सुधीर कुमार साहू, महासचिव विमल सिंह एवं समस्त बम भाइयों की सहमति से लिया गया। संघ के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक शिवभक्तों से कांवड़ यात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

'भारती एयरटेल ने अफ्रीका स्टेक विलय के लिए मजबूत शेयरधारक समर्थन प्राप्त किया'

'लखनऊ। भारती एयरटेल लिमिटेड (भारती एयरटेल या कंपनी) ने आज घोषणा की कि उसके लगभग 100: शेयरधारकों ने अपनी प्रमुख रणनीतिक सहायक कंपनी एयरटेल अफ्रीका पीएलसी में हिस्सेदारी के संकलन के लिए चल रहे समझौते को मंजूरी दे दी है, जो भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी में कॉर्पोरेट सुशासन के सर्वोच्च मानकों को रेखांकित करने के साथ–साथ निवेशकों के सुदृढ़ विश्वास को भी पुष्ट करता है।। इस लेन–देन में भारती एयरटेल इंडियन कांटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, एक प्रमोटर समूह संस्थान, को अधिमान्य आधार पर अपने इक्विटी शेयर जारी कर रहा है, बदले में एयरटेल अफ्रीका में 16.31: हिस्सेदारी लेने के लिए। इस प्रस्ताव को सार्वजनिक एवं संस्थागत निवेशकों सहित शेयरधारकों से अत्यधिक समर्थन प्राप्त हुआ, जो इसके रणनीतिक औचित्य और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की संभावनाओं में विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। यह लेन–देन एक नकदी–रहित शेयर अदला–बदली (शेयर स्वैप) है, जो कंपनी को बिना किसी अतिरिक्त ऋणभार अथवा नकदी बहिर्वाह के एक उच्च–वृद्धि वाली परिसंपत्ति में बड़ी हिस्सेदारी अर्जित कर अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह समूह की शेयरधारिता संरचना को सरल बनाता है तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करता है, जो कॉर्पोरेट सुशासन एवं पूंजी दक्षता में एक नया प्रतिमान स्थापित करता है। सुनील भारती मित्तल, संस्थापक और चेयरमैन, भारती एंटरप्राइजेज, ने कहा, ष्एयरटेल अफ्रीका हमारी विकास रणनीति के केंद्र में है और यह हमारे एकीकृत राजस्व में लगातार योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन देने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी हमेशा सर्वोच्च मानकों के कॉर्पोरेट गवर्नेंस और वित्तीय अनुशासन के अनुसार संचालित हुई है, और यह जोरदार समर्थन उस विश्वास को पुनः स्थापित करता है जो निवेशकों को संगठन में है। शेयर स्वैप के रूप में संरचित, भारत का अब तक का सबसे बड़ा लेन–देन एयरटेल की मुख्य संचालन और भविष्य की विकास महत्वाकांक्षाओं के लिए पूंजी की शक्ति को बनाए रखता है। जैसे ही हम आगे देखते हैं, हमें अफ्रीका में दीर्घकालिक शेयरधारक मूल्य निर्माण के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं दिखती हैं। यह समझौता, संपूर्णन और सभी आवश्यक नियामक अनुमोदनों की प्राप्ति के बाद, भारती एयरटेल की एयरटेल अफ्रीका में प्रभावी हिस्सेदारी को लगभग 79: तक बढ़ा देगा। यह कंपनी के उस संतुलित दृष्टिकोण की निरंतरता है, जिसके अंतर्गत वह समूह के एक सुस्थापित रणनीतिक विकास मंच – एयरटेल अफ्रीका – में अपनी स्वामित्व हिस्सेदारी को क्रमिक रूप से सुदृढ़ करती रही है।

कायस्थ पार्टी का जौनपुर में तेजी से विस्तार, विभिन्न तहसीलों में पदाधिकारियों का मनोनयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।15 जून यूपी के जौनपुर में नगर के शास्त्री नगर स्थित शास्त्री कॉन्वेंट स्कूल के सभागार में किसान, आमजन, युवा, शोषित एवं व्यापारियों की भागीदारी वाली कायस्थ पार्टी ने जिले की सभी तहसीलों में संगठन विस्तार अभियान के तहत नए पदाधिकारियों का मनोनयन एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान शाहगंज, बदलापुर, मछलीशहर, मड़ियाहूं और केराकत तहसीलों के लिए अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। साथ ही जौनपुर नगर इकाई का भी विस्तार करते हुए कई नए पदाधिकारियों को संगठन की जिम्मेदारियां सौंपी गईं और उन्हें शपथ दिलाई गई।

मुख्य अतिथि अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुए कहा कि कायस्थ पार्टी सर्वसमाज की पार्टी है, जहां सभी धर्मों और वर्गों के लोगों को समान सम्मान और अवसर दिया जाता है। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का आह्वान किया। पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन का प्रमुख उद्देश्य पूर्वांचल को अलग राज्य का दर्जा दिलाने, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल कराने, बेरोजगारी दूर करने, किसानों की समस्याओं के समाधान, कृषि यंत्रों को जीएसटी मुक्त कराने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को प्रभावी बनाने के लिए संघर्ष करना है। इसके अलावा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर पिछड़े और वंचित लोगों के उत्थान के लिए कार्य करना भी पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिला स्तर के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे। अंत में जिला अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर अपोलोमेडिक्स अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर अपोलोमेडिक्स अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अस्पताल के डॉक्टरों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। शिविर के दौरान 50 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिससे जरूरत पड़ने पर मरीजों की मदद की जा सकेगी। इस आयोजन का

उद्देश्य लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक करना और अधिक से अधिक लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अस्पताल में रक्त की उपलब्धता बेहद जरूरी होती है और एक यूनिट रक्त कई मरीजों के इलाज में काम आ सकता है। इस मौके पर अपोलोमेडिक्स अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, "अस्पताल में हम अक्सर ऐसे मरीजों को देखते हैं जिनके लिए समय पर रक्त मिलना बेहद जरूरी होता है। दुर्घटनाओं, बड़ी सर्जरी और गंभीर बीमारियों के इलाज में रक्त की लगातार आवश्यकता रहती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदाता मेडिकल सिस्टम का एक बड़ा जरूरी हिस्सा हैं। मैं सभी स्वस्थ नागरिकों से रक्तदान को एक नियमित आदत बनाने की अपील करता हूं।ष

राम मंदिर के दान में गबन पर बड़ा खुलासा, जांच में ट्रस्ट के पदाधिकारी का कर्मी ही निकला मास्टरमाइंड

लखनऊ, (संवाददाता)। अयोध्या में राम मंदिर के दान की रकम चोरी होने के मामले में ट्रस्ट के एक पदाधिकारी का कर्मी मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इस मामले के उजागर होने के बाद सतर्क हुईं खुफिया एजेंसियों की पड़ताल में इसका पता चला है। हालांकि जांच को फिलहाल ट्रस्ट के दायरे तक की सीमित रखने की वजह से एजेंसियां अपने कदम आगे नहीं बढ़ा रही हैं। पुलिस से भी कोई शिकायत नहीं की गई है। यह भी सामने आया है कि चोरी की गई अधिकांश रकम को वापस लौटाया जा चुका है। सूत्रों की मानें तो इस प्रकरण की गूंज दिल्ली तक होने के बाद ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जवाब–तलब भी किया गया है। जिस कर्मी को चिन्हित किया गया है, उससे भी पूछताछ की गई, जिसके बाद चुराई गई रकम को वापस कराया गया। प्रदेश पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी ट्रस्ट के पदाधिकारियों के संपर्क में हैं और जांच में सहयोग कर रहे हैं। यह भी सामने आया है कि दान के रूप में मिलने वाली रकम को कई दिनों से गायब किया जा रहा था। इसी वजह से अब इस प्रकरण की जांच किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने की तैयारी है ताकि इसमें संलिप्त लोगों के नाम सामने आ सकें। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वित्तीय पारदर्शिता को लेकर एक नया पत्र प्रधानमंत्री को भेजा गया है। पत्र में ट्रस्ट की स्थापना से अब तक प्राप्त समस्त दान, आय–व्यय, बैंक खातों, भूमि खरीद–फरोख्त और अन्य संपत्तियों का पूरा विवरण सार्वजनिक किए जाने की मांग की गई है। भाजपा नेता ने इससे पहले नौ जून को पीएम को पत्र भेजकर राम मंदिर की दानराशि में गबन प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की थी। डॉ. रजनीश सिंह की ओर से प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र में कहा गया है कि देश–विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ मंदिर निर्माण के लिए धन, आभूषण और अन्य प्रकार के दान समर्पित किए हैं। इसलिए प्रत्येक भक्त को यह जानने का अधिकार है कि उसके दिए गए ।

मेक इन इंडिया से बढ़ा उत्पादन, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बने - ए.के. शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार दोपहर भाजपा जिला कार्यालय पर जनपद के प्रभारी मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को पत्रकारों से बातचीत करते हुए विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि "विकसित भारत" अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि "मेक इन इंडिया" अभियान के तहत देश में उत्पादन बढ़ा है, जिससे रोजगार के अवसर लगातार सृजित हो रहे हैं। वहीं "स्टार्टअप इंडिया" के माध्यम से युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और खेल के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए गए हैं। "खेलो इंडिया" और "फिट इंडिया" जैसे अभियानों ने युवाओं को नई दिशा दी है। किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने किसानों एवं गरीब परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। साथ ही देशभर में एम्स संस्थानों के विस्तार को भी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। इससे पूर्व भाजपा जिला कार्यालय में मंत्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति में मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन की मजबूती और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण और विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य कर रहा है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा का लक्ष्य है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के नाका हिण्डोला थाना क्षेत्र से नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त को ऐशबाग पुल के पास से पकड़कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में पीड़िता को पूर्व में ही सकुशल बरामद किया जा चुका है।पुलिस के अनुसार इस संबंध में वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना नाका हिण्डोला में मु.अ.सं. 37ध्2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 एवं 137(2) में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि सिद्धार्थनगर जनपद के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भादमुस्तहकम टोला परसोना निवासी मुन्ना उर्फ मकसूद खान ने वादी की लगभग 15 वर्षीय नाबालिग बहन को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देश पर अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे थे। थाना नाका हिण्डोला पुलिस लगातार अभियुक्त की तलाश में जुटी हुई थी और विभिन्न संभावित स्थानों पर उसकी खोजबीन की जा रही थी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय को मिला अनुभवी नेतृत्व, संयुक्त सचिव बने शैलेन्द्र नाथ मिश्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय में शैलेन्द्र नाथ मिश्रा के संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त होने से अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच खुशी का माहौल है। उनकी नियुक्ति को सचिवालय की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। नियुक्ति की सूचना मिलते ही सचिवालय परिसर में बधाइयों का दौर शुरू हो गया और विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं।विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि शैलेन्द्र नाथ मिश्रा का प्रशासनिक अनुभव, कार्य के प्रति समर्पण और कुशल नेतृत्व क्षमता उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने अपने लंबे सेवाकाल में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए अपनी कार्यकुशलता और निष्ठा का परिचय दिया है। यही कारण है कि उनकी नियुक्ति से सचिवालय के कार्यों में और अधिक गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।अधिकारियों ने कहा कि विधानसभा सचिवालय लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जहां प्रशासनिक दक्षता और समन्वय की विशेष आवश्यकता होती है।

चारबाग मेट्रो पुल के नीचे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, पहचान में जुटी पुलिस

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के हुसैनगंज थाना क्षेत्र में चारबाग स्थित मेट्रो पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटी हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को केकेसी महावीरपुरी निवासी अंकित सोनकर ने थाना हुसैनगंज पुलिस को सूचना दी कि केकेसी चारबाग के पास मेट्रो पुल के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मौके का निरीक्षण किया।पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि मृतक पुरुष की उम्र लगभग 40 वर्ष के आसपास प्रतीत हो रही है। प्रारंभिक निरीक्षण में शव कई दिन पुराना दिखाई दिया तथा उसमें प्राकृतिक विघटन के लक्षण भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुए। शव की स्थिति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि व्यक्ति की मृत्यु कुछ दिन पहले हुई होगी, हालांकि इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और आसपास के दुकानदारों से मृतक की पहचान के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई भी व्यक्ति उसकी पहचान नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए भेज दिया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृतक की पहचान स्थापित करने के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना प्रसारित की जा रही है।

तालकटोरा में दर्दनाक घटना– दूसरी मंजिल से कूदने पर युवक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)।राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक ने अपने मकान की दूसरी मंजिल की छत से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या से जोड़कर देख रही है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चल सकेगा।पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह लगभग आठ बजे बादशाह खेड़ा, आलमनगर निवासी ठाकुर प्रसाद थाना तालकटोरा पहुंचे और एक लिखित सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनके पुत्र अमित लोधी (35) ने शुक्रवार तड़के लगभग तीन बजे अपने घर की दूसरी मंजिल की छत से कूदकर जान दे दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए।सूचना मिलते ही थाना तालकटोरा पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए एक पुलिस टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की तथा आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू की।पुलिस ने शव को सील–मोहर कर पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) की मर्चरी भेज दिया है।

'विश्व रक्तदाता दिवस पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाहजहांपुर सम्मानित'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के रक्तकोष विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी शाहजहांपुर को रक्तदान जागरूकता एवं मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. जौहरी ने कहा कि जिस प्रकार परिवार अपने भविष्य की सुरक्षा हेतु बैंक में धन संचय करता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान के महत्व को समझते हुए नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इसके माध्यम से किसी को जीवनदान देना सबसे बड़ी मानव सेवा एवं पुण्य का कार्य है। उन्होंने समाज के धर्मगुरुओं, मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों तथा विभिन्न ध ार्मिक–सामाजिक संस्थाओं से रक्तदान जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्त का कोई धर्म, जाति या भेदभाव नहीं होता, यह केवल मानव जीवन बचाने का माध्यम है। डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान रेड क्रॉस परिवार के लिए प्रेरणास्रोत है तथा भविष्य में संस्था और अधिक उत्साह के साथ रक्तदान एवं जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएगी। अंत में उन्होंने कार्यक्रम आयोजकों एवं उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. जौहरी ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में स्वैच्छिक रक्तदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पर डॉ विजय जोहरी ने जानकारी देते हुए बताया कि रेड क्रॉस की पहल पर विश्व का पहला ब्लड बैंक 15 मार्च 1937 को अमेरिका के शिकागो स्थित कुक काउंटी अस्पताल में स्थापित किया गया था। आज रेड क्रॉस सहित अनेक सामाजिक संस्थाएं रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंद मरीजों तक समय पर रक्त उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाहजहांपुर जनपद में मोहल्ला खलील शर्की स्थित जली कोठी के सामने अपनी संपत्ति पर शीघ्र ही ब्लड बैंक की स्थापना के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस संबंध में संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा चुका है तथा आवश्यक कार्यवाही प्रचलन में है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ब्लड बैंक की स्थापना से जिले के मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो सकेगा तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकेगा। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने रक्तदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने का आह्वान किया। अंत में रक्तदाताओं एवं समाजसेवियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। पर अवसर पर स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के अधिकार एवं कर्मचारी तथा सहयोगी संस्थाओं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे पर ट्रेलर से टकराई कार, एक की हालत गंभीर

वाराणसी, (संवाददाता)। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बाजार के पास बरडीहा मोड़ स्थित आजमगढ़–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार आर्टिका कार के सामने चल रहे ट्रेलर से टकराने के कारण चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में डाल्टनगंज छोटी मस्जिद के सामने स्थित किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, जनता मेडिकल से जुड़े कैश अंकल, सब्जी मंडी के व्यवसायी शोहराब राईन तथा वाहन चालक शामिल हैं। सभी श्रद्धालु किछौछा शरीफ से जियारत कर अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आर्टिका कार तेज गति से वाराणसी की ओर जा रही थी। इसी दौरान बरडीहा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों के बीच चीख–पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक युवक की अस्पताल में मौत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने अपना नाम अजमल आलम पुत्र लाल मोहम्मद बताया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और उसे क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालकर प्राथमिक सहायता दी। वहीं, कार चालक का आधा शरीर वाहन में फंस गया था, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। सूचना मिलते ही देवगांव पुलिस और राहत–बचाव टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों और मृतकों को संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय लालगंज भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बाद में उपचार के दौरान एक अन्य घायल की भी मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस मृतकों की शिनाख्त कराने के साथ ही हादसे के कारणों की जांच कर रही थी। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

सपा प्रमुख की पुत्री अदिति पर अभद्र टिप्पणी पर सपा में आक्रोश

प्रयागराज, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सुपुत्री सुश्री अदिति यादव पर सोशल मीडिया में की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर आज सपा नेत्री एवं सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी श्रीमती कमला यादव के नेतृत्व में सपा महिला सभा की पदाधिकारियों ने राज्य पाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जिसमें दोषियों की जांच कर तत्काल मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। सपा नेत्री कमला यादव ने इस मौके पर भाजपा सरकार को महिला विरोधी बताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में महिलाओं के ऊपर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। सपा प्रमुख की सुपुत्री अदिति यादव पर की गई टिप्पणी को घिनौनी करतूत बताते हुए सरकार से मांग की है कि इस तरह की पोस्ट को तत्काल हटाया जाये और जांच करके दोषियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाये। यह भी कहा कि ऐसी पोस्टों में व्यक्तिगत रूप से जो आरोप लगाए जा रहे हैं जिससे एक महिला की गरिमा, सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्रभावित होने की सम्भावना है। अदिति यादव के परिजनों सहित पार्टी के लोगों को ठेस पहुंची है। सपा महिला सभा की महानगर अध्यक्ष मंजू यादव एवं जिलाध्यक्ष गंगापार प्रतिमा रावत ने कहा कि यदि तत्काल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो बड़ा जनआंदोलन शुरू होगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से श्रीमती कमला यादव, पं सुमन शर्मा, मंजू यादव, डॉ पूजा मिश्रा, प्रतिमा रावत, सावित्री सिंह, पद्मा यादव, दीप माला पटेल, उर्मिला यादव, अर्पणा यादव, राजकुमारी, रीता मौर्या, माधुरी गौतम आदि मौजूद रहीं।

शादी के 3 दिन बाद युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रयागराज, (संवाददाता)। हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुरवा गांव में शादी के महज 3 दिन बाद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर से करीब 150 मीटर दूर एक नीम के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा गया। वहीं, मृतक का भाई सुशील भी अचानक लापता हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुरवा गांव के रहने वाले संतोष कुमार (28) की 7 जून को शादी हुई थी। 8 जून को दुल्हन की विदाई के बाद वह घर लौटा था। परिजनों के अनुसार 10 जून की शाम वह घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया। अगली सुबह गांव के लोगों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा और परिवार को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की मां ने जमीन विवाद के चलते हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है। संतोष कुमार की मां लालती देवी ने पड़ोसी सुभाष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लालती देवी का कहना है कि परिवार की सुभाष से लंबे समय से जमीन को लेकर रंजिश चल रही है। उनके बेटे संतोष की हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया, ताकि मामले को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। वहीं, संतोष का भाई सुशील घटना के बाद से लापता बताया जा रहा है। हालांकि, परिजनों ने अब तक उसकी गुमशुदगी की कोई सूचना पुलिस को नहीं दी है। एसीपी हंडिया शेषधर पांडे ने कहा कि यदि परिजन शिकायत देते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुशील के लापता होने और संतोष की मौत के बीच किसी संबंध की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस जमीन विवाद समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

मां के साथ हुई मारपीट का बदला लेने के लिए की थी बुजुर्ग की हत्या

वाराणसी, (संवाददाता)। आजमगढ़ जिले के शेखपुरा गांव में 70 वर्षीय वृद्ध की निर्मम हत्या का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। हत्या के आरोपी अभय चौहान उर्फ मत्तू को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीओ सिटी शुभम तोदी ने बताया कि शेखपुरा निवासी भुआल चौहान (70) अपने घर के बाहर पशुशाला के पास बने कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से उनका गला रेतकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में गठित टीम जांच के दौरान आरोपी अभय चौहान उर्फ मत्तू तक पहुंची। शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि आरोपी अवैध असलहे के साथ बंशी बाजार–उकरौड़ा मार्ग से एक्सप्रेस–वे की ओर जा रहा है। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी भागने लगा। बाइक फिसलने के बाद उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस से हुई पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले उसकी मां के साथ हुई मारपीट की घटना को लेकर वह भुआल चौहान से रंजिश रखता था। इसी दुश्मनी के चलते उसने सोते समय चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी।

'जिलाधिकारी ने किया योग सप्ताह का शुभारंभ'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' शहीद संग्रहालय में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी ने भगवान धन्वन्तरि व महर्षि पतंजलि के चित्रों पर माल्यार्पण व समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया । इस मौके पर जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भागमभाग, तनाव, बढ़ती महत्वाकांक्षा के दौर में हम जीवन की लय को खोते चले जा रहे हैं। ऐसे समय में हम भारतीय संस्कृति की अमूल्य विध ा, जिसके वैज्ञानिक गुणों, सिद्धांतों के कारण योग एक शीतल छाँव की तरह है, जो हमारे मन प्राण और शरीर के सन्तुलन को बनाए रखकर हमारे जीवन पथ को निष्कण्टक करता है । योग विज्ञान संस्थान के जिला प्रध ान डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी के द्वारा योगासनों का अभ्यास कराया गया । मंच पर ज्योति गुप्ता, अखण्ड प्रताप , चिवनाथ पाल ने योगासनों का प्रदर्शन किया । अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ सिराज अहमद अंसारी व जिला होम्योपैथ अधिकारी डॉ शबीना नाज ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया । कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में हुए आयोजन में प्रमुख रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक कुमार मिश्रा,अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्रा, छावनी परिषद के मानद सदस्य अवध ेश कुमार दीक्षित, जिला कार्यक्रम अधिकारी अविरल सिंह चन्देल, डॉ मनु यादव, डॉ संदीप सिंह, डॉ राजीव कुमार, डॉ शिवपूजन सिंह, विनीत मिश्रा, दपिन्दर कौर, मो. इमरान, अनुराग पाल, ऊषा कश्यप समेत अनेक लोगों ने योगाभ्यास किया ।

केबल कटने से गोलघर फीडर बंद, दोपहर से देर रात तक गुल रही बिजली

गोरखपुर, (संवाददाता)। नाला निर्माण कार्य के चलते कचहरी चौराहे के पास शुक्रवार दोपहर दो बजे केबिल कटने से टाउनहॉल उपकेंद्र का गोलघर फीडर बंद हो गया। आनन–फानन में पहुंचे कर्मचारियों ने केबिल बनाने का शुरू किया लेकिन देर रात तक बिजली बहाल नहीं हो सकी। इससे लगभग 200 के आसपास प्रतिष्ठानों, दुकानों व घरों की बिजली बाधित रही। गर्मी के चलते लोगों ने काफी परेशानी झेली। शुक्रवार को केबिल कटने दो घंटे के बाद भलोटिया के पास 400 केवीए व 250 केवीए के ट्रांसफॉर्मर को बंद कर कार्य को तेज कर दिया गया। रात नौ बजे तक बिजली बहाल नहीं हो सकी थी। दो ट्रांसफॉर्मर बंद होने से लगभग 200 के आसपास प्रतिष्ठानों, दुकानों व घरों की बिजली बाधित रही। टाउनहॉल के अधिशासी अभियंता अंकित कुमार ने बताया कि केबिल कटने से दो ट्रांसफॉर्मर बंद हैं। कार्य कराया जा रहा है, जल्द ही बिजली बहाल होगी। वहीं खोराबार क्षेत्र में लोकल फाल्ट होने से दिन में कई बार थोड़े–थोड़े देर के लिए बिजली काटी गई थी। मोहद्दीपुर के अधिशासी अभियंता सतीश जायसवाल ने बताया कि लोकल फाल्ट से कहीं दिक्कत हुई होगी। बाकी उपकेंद्र व फीडर पूरे दिन ठीक चला है।

ट्रक से टक्कर के बाद बाइक के उड़े परखच्चे, दो युवकों की मौत

भदोही, (संवाददाता)। भदोही नगर के शहीद तिराहा मिर्जापुर मोड़ पर शुक्रवार की देर रात आयशर मिनी ट्रक में बाइक की टक्कर हो गई। इसमें बाइक सवार विकास यादव उर्फ आका (35 वर्ष) पुत्र श्यामा यादव निवासी भोगाव और अमन मिश्रा (25 वर्ष) पुत्र जयशंकर मिश्रा निवासी विट्ठलपुर की मौत हो गई। वहीं शुभम यादव (22 वर्ष) पुत्र इद्रशेन यादव निवासी कठारी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां हालत चिंताजनक होने पर ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। भोगांव निवासी विकास यादव कठारी निवासी शुभम और विट्ठलपुर निवासी अमन मिश्रा के साथ एक अपाचे बाइक पर सवार होकर शुक्रवार की रात करीब 10 बजे गोपीगंज की तरफ आ रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग शहीद तिराहा पर लाई लादकर मीर्जापुर की ओर घूम रहे आयशर ट्रक में भिड़ गए। टक्कर इतनी तेज हुई की बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना मे बाइक चला रहे विकास यादव की मौके पर मौत हो गई, वहीं अमन और शुभम गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया। चौकी प्रभारी शशांक बाजपेयी पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर किया गया। इलाज के दौरान अमन मिश्रा की भी मौत हो गई। मृतक विकास चार भाई में तीसरे नंबर पर था, वहीं अमन इकलौता पुत्र था। पुलिस ने ट्रक और बाइक को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

प्रभारी डीपीआरओ समेत दो अधिकारियों को नोटिस

भदोही, (संवाददाता)। एडीएम वित्त एवं राजस्व शुभांगी शुक्ला की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक हुई। इसमें शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। बैठक में अनुपस्थित रहने पर प्रभारी जिला पंचायत अधिकारी और अपर मुख्य अधिकारी को नोटिस जारी किया। एडीएम ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी प्रकरण में तथ्य छिपाने या गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने की शिकायत मिली तो उक्त अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को आईजीआरएस से संबंधित नवीनतम शासनादेशों का अध्ययन कर उनका पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं संज्ञान लेकर आईजीआरएस प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें। प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तायुक्त एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि जहां निरीक्षण करने जाए तो फोटो और दो गवाहों का सिग्नेचर भी कराएं।

परिजनों का प्रदर्शन, शव रखकर जाम की सड़क, 5-5 लाख मुआवजा मिलने पर माने

गोरखपुर, (संवाददाता)। गीडा क्षेत्र के नौसड़ में पीएसी वाहन की चपेट में आकर जान गंवाने वाले दो युवकों के परिजन शुक्रवार को फिर सड़क पर उतर गए। परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर अमरूद मंडी के पास शव रखकर सड़क जाम कर दी। इससे करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। प्रशासन की ओर से पांच–पांच लाख रुपये के चेक मिलने के बाद परिजन शांत हुए। इधर, देर शाम पुलिस ने पीएसी के वाहन चालक सुनील कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। नौसड़ में बृहस्पतिवार शाम विपरीत दिशा से आ रहे पीएसी वाहन की चपेट में आकर अमित निषाद (22) और राज निषाद (17) की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया था। सूचना पर कई थानों की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया था। शुक्रवार तड़के पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे गए। इसके बाद परिजन और पुलिस शव लेकर राजघाट के पास सुबह करीब 10:45 बजे पहुंचे। इस दौरान परिजन शव को घर ले जाने की जिद पर अड़े रहे, जबकि पुलिस का जोर सीधे राजघाट ले जाकर अंतिम संस्कार पर था। इसी मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई। संभावित विरोध ा को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कुछ ही देर बाद राज के परिजनों ने अमरूद मंडी के पास सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उधर, अमित के परिजनों ने भी राजघाट पुल की दूसरी ओर सड़क जाम कर दी। इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थिति बिगड़ती देख एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी, सीओ गीडा योगेंद्र सिंह और सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की। अधिकारियों ने नियमानुसार आर्थिक सहायता दिलाने का भरोसा दिया। बाद में पुलिस की मौजूदगी में दोनों युवकों का अंतिम संस्कार राप्ती नदी के अलग–अलग किनारों पर कराया गया। दोपहर बाद जिला प्रशासन की ओर से दोनों परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि का चेक सौंपा गया, जिसके बाद परिजनों का आक्रोश शांत हुआ। पुलिस ने अमित की मां फूलमती की तहरीर पर पीएसी वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

रामगढ़ताल में लगा दी छलांग, लोगों ने बाहर निकालकर दिया सीपीआर पर नहीं बची जान

गोरखपुर, (संवाददाता)। यूपी के गोरखपुर कैंट थाना क्षेत्र के रामगढ़ताल में शुक्रवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई जब एक किशोरी अचानक ताल में कूद गई। यह घटना चंपादेवी पार्क के सामने करीब 12 बजे हुई, जहां मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की और पानी से बाहर निकालकर सीपीआर दिया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसपी सिटी निमिष पाटील के अनुसार, करीब 14 वर्षीय दिखाई देने वाली किशोरी पहले सड़क पर पैदल आई और कुछ देर इधर–उधर देखने के बाद अचानक ताल में कूद गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए उसे बाहर निकाला और प्राथमिक जीवन रक्षक प्रक्रिया (सीपीआर) भी दी, लेकिन वह बेहोशी की हालत में रही। किशोरी के पिता रिंकू के अनुसार वह अपनी पत्नी व अपने परिवार के साथ किराए पर रहते हैं। वह कैटरिंग का काम करते हैं। जबकि उनकी पत्नी घरों मे खाना बनाने का कार्य करती हैं। किशोरी सुबह करीब 10रू30 बजे घर से निकली थी, जिसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। दोपहर 12 बजे उसका शव रामगढ़ताल से बरामद होने की सूचना आई। इसके बाद परिजन जिला अस्पताल पहुंचकर उसकी शिनाख्त की। परिजन किसी भी प्रकार के विवाद या तनाव की बात से इनकार कर रहे हैं।

योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं युवा -प्रो. पूनम टंडन

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि वर्तमान समय की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बन चुका है। युवाओं को इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। वह शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से योग दिवस पर डीडीयू के स्वामी विवेकानंद योग वाटिका में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो मानव जीवन को शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक रूप से सुदृढ़ बनाने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम संयोजक एवं एनएसएस के समन्वयक प्रो. सत्यपाल सिंह ने सभी स्वयंसेवकों से प्रतिदिन योगाभ्यास करने व अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इसके बाद योगाचार्य प्रमोद राय के निर्देशन में आयोजित योगाभ्यास सत्र में छात्र–छात्राओं को अनुलोम–विलोम, भ्रामरी, कपालभाति, नाड़ी शोधन समेत प्राणायाम एवं योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में प्रो. आमोद राय, प्रो. रामरतन सिंह, डॉ. तलहा अंसारी, बलेंदर यादव, विनीत सिंह, राजेंद्र मौर्य आदि ने भी हिस्सा लिया।

रामगढ़ताल में किशोरी ने लगाई छलांग, मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। कैंट थाना क्षेत्र स्थित रामगढ़ताल के पास शुक्रवार दोपहर उस समय अफरातफरी मच गई जब एक किशोरी अचानक ताल में कूद गई। घटना चंपा देवी पार्क के सामने करीब 12 बजे हुई, जहां मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की और पानी से बाहर निकालकर सीपीआर दिया लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।